सेमेस्टर परीक्षा-2021

कक्षा - एम. ए. (प्रथम वर्ष)

विषय - हिंदी

प्रश्नपत्र कोड: MHL-C112 (कथेतर गद्य साहित्य)

अवधि: 3 घंटा   अधिकतम अंक: 70

न्यूनतम अंक: 40%

नोट: प्रश्नपत्र के दो भाग हैं ए एवं बी। निर्देशानुसार दोनों भाग कीजिये।

सेक्शन-ए: लघु उत्तरीय प्रश्न

निर्देश: किन्हीं पांच प्रश्नों के प्रति प्रश्न लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये. प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। (5 X 6 = 30 अंक)

प्रश्न संख्या-1 चन्द्रगुप्त नाटक का परिचय दीजिए।

प्रश्न संख्या-2 आधुनिकता क्या है? आधे-अधूरे नाटक में आधुनिकता-बोध को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या-3 मोहन राकेश के नाटक आधे-अधूरे के कथानक पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या-4 महादेवी वर्मा जी के संस्मरण साहित्य का सामान्य परिचय प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न संख्या-5 दद्दा (मैथिलीशरण गुप्त) संस्मरण की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या-6 स्वामी श्रद्धानन्द की आत्मकथा 'कल्याण मार्ग का पथिक' का सामान्य परिचय प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न संख्या-7 अंधेर नगरी प्रहसन का अपने शब्दों में सारांश प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न संख्या-8 यात्रा वृतांत किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या-9 आत्मकथा और जीवनी में अंतर को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या-10 आचार्य रामचंद्र शुक्ल का निबंध 'कविता क्या है' का अपने शब्दों में सारांश प्रस्तुत कीजिए।

सेक्शन-बी (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश: किन्ही चार प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिये . प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

(4 X 10 = 40 अंक)

प्रश्न संख्या-11 व्याख्या कीजिए।

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परंतु है वह उस विशाल सामंत सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त से स-सार कर्णी को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से समृद्ध हुई थी। वे सामंत उखड़ गए, समाज दह गए, और मदनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई। संतान कामिनियों को गंधव से अधिक शक्तिशाली देवताओं का वरदान मिलने लगा पीरों ने, भूत-भैरवों ने काली दुर्गा में यक्षों की इज्जत घटा दी दुनिया अपने रास्ते चली गई. अशोक पीछे छूट गया।

प्रश्न संख्या-12. व्याख्या कीजिए।

आले पर कपड़े की आधी जली बत्ती से भरा, पर तेल से खाली मिट्टी का दिया मानो अपने नाम की सार्थकता के लिए जल उठने का प्रयास कर रखा था। यदि उसके प्रयास को स्वर मिल सकता तो वह निश्चय ही हमें, मिट्टी के तेल की दूकान पर लगी भीड़ में सबसे पीछे खड़े, पर सबसे बालिश्त भर ऊँचे गृहस्वामी की दीर्घ, पर निष्फल प्रतीक्षा की कहानी सुना सकता। रसोईघर में दो-तीन अधजली लकड़ियाँ, औंधी पड़ी बटलोई और खूँटी से लटकती हुई आटे की छोटी-सी गठरी आदि मानो उपवास-चिकित्सा के लाभों की व्याख्या कर रहे थे।

प्रश्न संख्या-13 व्याख्या कीजिए।

तुम मालव हो और यह मागध, यही तुम्हारे मान काअवसान है न? परन्तु आत्म-सम्मान इतन ही से सन्तुष्ट नहीं होगा। मालवऔर मागध को भूलकर जब तुम आर्यावर्त का नाम लोगे, तभी वहमिलेगा। क्या तुम नहीं देखते हो कि आगामी दिवसों में, आर्यावर्त के सबस्वतंत्र राष्ट्र एक के अनन्तर दूसरे विदेशी विजेता से पददलित होंगे? आजजिस व्यंग्य को लेकर इतनी घटना हो गयी है, वह बात भावी गांधारनरेशआम्भीक के हृदय में, शल्य के समान चुभ गयी है। पञ्चनन्द-नरेशपर्वतेश्वर के विरोध के कारण यह क्षुद्र-हृदय आम्भीक यवनों का स्वागतकरेगा और आर्यावर्त का सर्वनाश होगा।

प्रश्न संख्या-14 जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखे गए नाटक चन्द्रगुप्त में राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना को दर्शाइए।

प्रश्न संख्या-15 मोहन राकेश द्वारा लिखे गए आधे-अधूरे नाटक के आधार पर इसकी नायिका सावित्री के चरित्र की विशेषताएं बताइये।

प्रश्न संख्या-16 डॉ. रामविलास शर्मा की निबंध कला का विस्तृत रूप में परिचय प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न संख्या-17 संस्मरण का परिचय देते हुए महादेवी वर्मा के संस्मरण एवं रेखाचित्रों की विशेषता बताएं।

प्रश्न संख्या-18 आधे-अधूरे नाटक की भाषा-शैली को स्पष्ट कीजिए।